



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

1. एन एस ए आई डी (नॉन स्टेरायडल एंटी इंफ्लेमेटरी दवाएँ)

1.1 वविरण

NSAID समान्यता बच्चों के गठिया संबंधी रोगों का मुख्य इलाज है। इसकी भूमिका मुख्य है। यह मुख्य रूप से लाक्षणिक जैसे सूजन दर्द व बुखार को कम करने वाली दवाएँ हैं। ये दवाएँ बीमारी को ठीक नहीं करती तथा उसके विकास को रोक नहीं सकती जैसे कि बड़ों में होने वाले गठिया रोग में बताया गया है लेकिन ये बीमारी के लक्षणों को कम करती है।

ये दवाएँ मुख्य रूप से एक एंजजाइम को रोकती है जो सूजन पैदा करने वाले पदार्थ (प्रोस्टाग्लैंडिन) को बनाने के लिए जरूरी है। ये पदार्थ शरीर की क्रियाओं जैसे पेट की सुरक्षा व गुरदों में खून के बहाव का नियंत्रण करते हैं। इन प्रभावों से, NSAID दवाओं के बुरे प्रभावों की पुष्टि होती है। पहले एस्पिरिन सबसे अधिक उपयोग में ली जाने वाली दवा थी क्योंकि यह सस्ती और प्रभावी है लेकिन इसके बुरे प्रभावों की वजह से इसका उपयोग कम हो गया है। सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली NSAID दवाएँ नेप्रोक्सेन, इबुप्रोफेन तथा इंडोमेथासिन हैं।

आजकल कुछ नई NSAID दवाएँ उपलब्ध हैं जिन्हें साइक्लोऑक्सीजनेज (कॉक्स-2) इनहिबिटर कहते हैं। लेकिन बच्चों में इनके उपयोग की जानकारी सीमित है। meloxicam तथा celecoxib. इसलिए ये दवाएँ बच्चों में अधिक उपयोग नहीं की जाती हैं। इन दवाओं से पेट संबंधित बुरे प्रभाव कम होते हैं और ये दूसरी दवाओं के बराबर प्रभावी हैं। कॉक्स-2 इन्हीबिटर, NSAIDs की तुलना में अधिक महँगी है तथा इनकी सुरक्षा और प्रभाव से संबंधित अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। बच्चों में इन दवाओं के उपयोग सीमित है। meloxicam तथा celecoxib बच्चों में सुरक्षित पाई गई है। अलग अलग NSAIDs दवाओं के प्रभाव अलग अलग देखे गए हैं।

1.2 खुराक / दवा देने के तरीके

एक NSAID, दवा को उसके प्रभाव को मापने के लिए कम से कम ५ से ६ हफ्ते देना जरूरी है। चूंकि NSAID बीमारी के कोर्स को बदलने वाली दवाएँ नहीं हैं, इनका उपयोग दर्द, जकड़न तथा बुखार को ठीक करने में किया जाता है। इन दवाओं को पानी की दवा या गोली के रूप में

लिया जा सकता है।

सर्किफ कुछ NSAID दवाएँ बच्चों में उपयोग के लिए मंजूर की गई है जैसे नेप्रोक्सनि, इबुप्रोफेन, इंडोमेथेसनि, मेलोक्सिकाम तथा सेलिकोक्सीब।

नेप्रोक्सनि

नेप्रोक्सनि को १०-२० मग्रा / कग्रा / प्रतदिनि, १२ घंटों के अंतर पर देना चाहिए।

आइबूप्रोफेन

आइबूप्रोफेन ६ माह से १२ माह की उम्र के बच्चों को ३०-४० मग्रा / कग्रा प्रतदिनि ३ से ५ खुराकों में दिया जाता है। बच्चों को समान्यता कम डोज से दवा शुरू की जाती है और धीरे धीरे डोज को बढ़ाया जाता है। कम तीव्रता की बीमारी में डोज २० मग्रा / कग्रा प्रतदिनि दिया जाता है। ४०मग्रा / कग्रा / प्रतदिनि से अधिक खुराक उचित नहीं है। अधिकतम खुराक २.५ ग्रा / प्रतदिनि है।

इंडोमेथासनि

इस दवा को २ से १४ साल की उम्र के बच्चों को २-३ मग्रा / कग्रा / प्रतदिनि के डोज में दिया जाता है। अधिकतम डोज ५ मग्रा / की ग्रा / प्रतदिनि अथवा २०० मग्रा प्रतदिनि तक दिया जा सकता है। इस दवा को खाने के साथ देना चाहिए, जिससे पेट की तकलीफ कम होती है।

मेलोक्सिकाम

यह दवा २ वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चों में ०.१२५ मग्रा / कग्रा / प्रतदिनि एक खुराक में दी जाती है अधिकतम डोज ७.५ मग्रा प्रतदिनि है। ०.१२५ मग्रा / कग्रा से अधिक डोज के कोई अतिरिक्त फायदे नहीं देखे गये हैं।

सेलिकोक्सीब

दवा २ साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में दी जाती है। १०-२५ कग्रा - 50मग्रा प्रतदिनि दो खुराक > 25 कग्रा - 100मग्रा प्रतदिनि, दो खुराक NSAID दवाओं के आपस में एक दूसरे को प्रभवति नहीं करती है।

1.3 दुष्प्रभाव

सामान्यतः NSAID दवाएँ कोई समस्या पैदा नहीं करती है तथा इनके दुष्प्रभाव बड़ों की तुलना बच्चों में कम होते हैं। पेट की तकलीफ सबसे आम दुष्प्रभाव है। इसके लक्षण हलके पेट दर्द से लेकर गंभीर पेट दर्द तथा रक्तस्राव हो सकता है जिससे गहरे रंग का संडास होता है। इसलिए बच्चों को दवा हमेशा खाने के साथ लेने की सलाह दी जाती है। एन्टासिड, एच-2 ब्लोकर, मीसोप्रीस्टोल तथा PPI जैसी दवाओं का उपयोग NSAID से होने वाले पेट संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों से बचाने में स्पष्ट नहीं है। लीवर पर होने वाले बुरे प्रभाव से लविर एंजाइम बढ़ सकते हैं, लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है, सवाय एस्प्रीन के। गुरदा संबंधी समस्या काफी दुर्लभ है और सर्किफ उनमें होती है जनि बच्चों में पहलेसे कडिनी, लीवर या दलि की कोई खराबी होती है।

ससिटमकि जे. आए. ए. के मरीजों में NSAID से मैक्रोफेज एक्टविशन सडिरोम हो सकता है जो कि शरीर के प्रतिक्रिया तंत्र के गंभीर रूप से सक्रिय होने की वजह से होता है।

NSAIDs खून के जमने को प्रभवति करता है लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है सवाय उन

बच्चों के जनिमे पहले से ही खून न जमने की खराबी होती है। एस्प्रीन से खून जमने की समस्याएँ अधिक होती है। इसलिए इसका उपयोग उन बीमारियों में किया जाता है जहाँ खून जमने का खतरा अधिक होता है; इन मामलों में एस्प्रीन कम खुराक में दी जाती है। इंडोमेथासिन सस्टिमिक जे आए ए में बुखार के नियंत्रण में उपयोगी है।

1.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोग जनिमे ये दवाएँ उपयोगी है :
NSAID दवाएँ ज्यादातर सभी बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोगी है।

"><http://labels.fda.gov> <http://labels.fda.gov>